रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33004/95 REGD. NO. D.L.-33004/95

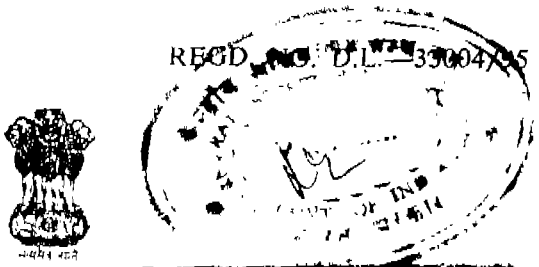

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 169] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 22, 1995/चैत्र 1, 1917
No. 169] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 22, 1995/CHAITRA 1, 1917

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1995

का.आ. 238(अ).—मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 109 की उप-धारा 3 तथा धारा 110 की उपधारा 1(ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और उच्चतम न्यायालय के दिनांक 21-10-1994 के आदेशों के अनुसरण में केन्द्र सरकार एतद्द्वारा यह निर्दिष्ट करती है कि पेट्रोल से चालित चौपहिया वाहनों के सभी निर्माता, 1 अप्रैल, 1995 से दिल्ली, बंबई, कलकत्ता और मद्रास में पहली बिक्री पर पंजीकृत किये जाने वाले वाहनों में उक्त तारीख से आई.एस. प्रमाणन सहित एक आक्सीकरण प्रकार का उत्कृष्ट धातु-आधारित उत्प्रेरक परिवर्तक अवश्य लगायेंगे।

[फा.सं. आर टी-11011/4/95-एमवीएल]

सी.एस. खैरवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1995

S.O. 238(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section 3 of Section 109 and Sub-Section 1(n) of Section 110 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in pursuance of the orders of the Supreme Court dated 21-10-1994, the Central Government hereby stipulates that with effect from April 1, 1995, all manufacturers of 4 wheeler petrol driven vehicles shall fit in such vehicles as are registered on first sale in the cities of Delhi, Bombay, Calcutta and Madras from the aforesaid date, noble-metal based catalytic convertors of atleast on oxidative type and with an OEM certification.

[F. No. RT-11011/4/95-MVL]

C. S. KHAIRWAL, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. 1995